

Seat No. : \_\_\_\_\_

**FA-17**  
**March-2007**  
**HINDI (Main)**  
**Paper-I**

**Time : 3 Hours]**

**[Max. Marks : 70**

1. पठित रचनाओं के आधार पर जयशंकर प्रसाद की काव्यगत विशेषताओं को आलेखित कीजिए । (12)

**अथवा**

‘जयद्रथवध’ के नायक के रूप में अर्जुन का चरित्रांकन कीजिए ।

2. ‘तोड़ती पत्थर’ काव्य में व्यक्त सामाजिक असमानता एवं विषमताओं पर प्रकाश डालिए । (12)

**अथवा**

‘पर्वत प्रदेश में पावस’ काव्य में निरूपित प्राकृतिक सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए ।

3. संक्षेप में लिखिए : (10)

(अ) ‘बीन भी हूँ’ – काव्य का भावार्थ ।

**अथवा**

‘विरह का जलजात जीवन’ में व्यक्त वेदना ।

(ब) युधिष्ठिर की आत्मग्लानि ।

**अथवा**

‘मनुज का श्रेय’ की मूल समस्या ।

4. ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (21)

(अ) “झंझा झकोर गर्जन था  
बिजली थी, नीरद-माला  
पाकर इस शून्य हृदय को  
सबने आ डेरा डाला ।”

**अथवा**

“महामन्त्र ऋषियों का  
अणुओं - परमाणुओं में फूँका हुआ –  
‘तुम हो महान्, तुम सदा हो महान्  
है नश्वर यह दीन भाव,  
कायरता, कामपरता,  
ब्रह्म हो तुम,  
पद-रज-भर भी है नहीं  
पूरा यह विश्व - भार-’  
जागो फिर एक बार !”

(ब) “सफल आज उसका तप संयम,  
पिला अहिंसा स्तन्य सुधोपम,  
हरती जन-मन-भय, भव-तम-भ्रम,  
जग-जननी  
जीवन-विकासिनी ।”

**अथवा**

“विस्तृत नभ का कोई कोना,  
मेरा न कभी अपना होना,  
परिचय इतना, इतिहास यही  
उमड़ी कल थी, मिट आज चली ।”

(क) “पर, सब कुछ हो चुका, नहीं कुछ शेष, कथा जाने दो,  
भूलो बीती बात, नये युग को जग में आने दो,  
मुझे शान्ति, यात्रा से पहले मिले सभी फल मुझको,  
सुलभ हो गये धर्म, स्नेह, दोनों के संबल मुझको ।”

**अथवा**

“अधिकार खोकर बैठ रहना, यह महादुष्कर्म है,  
न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दण्ड देना धर्म है,  
इस तत्त्व पर ही कौरवों से पाण्डवों का रण हुआ,  
जो भव्य भारतवर्ष के कल्पान्त का कारण हुआ ।”

5. सूचनानुसार कीजिए :

(15)

(अ) एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

- (1) 'निराला' का जन्म कब हुआ था ?
- (2) 'चिन्ता' काव्यांश किस रचना में से लिया गया है ?
- (3) 'जयद्रथवध' में कितने सर्ग हैं ?
- (4) 'कुरुक्षेत्र' किस कवि की रचना है ?
- (5) सुमित्रानन्दन पंत के जन्मस्थान का नाम बताइये ।

(ब) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

- (1) महादेवी की रचनाओं में \_\_\_\_\_ प्रेम का अंकन है ।  
(अलौकिक, भौतिक, राजनीतिक)
- (2) अभिमन्यु की पत्नी का नाम \_\_\_\_\_ था ।  
(उर्वशी, उत्तरा, उर्मिला)
- (3) 'हिमाद्रि तुंग शृंग से' \_\_\_\_\_ प्रकार का काव्य है ।  
(शोकगीत, लोकगीत, शौर्यगीत)
- (4) 'गीत-अगीत' \_\_\_\_\_ रचना में से लिया गया काव्य है ।  
(रसवंती, कलावंती, मायावंती)
- (5) 'प्रकृति का कोमलकान्त कवि' \_\_\_\_\_ को कहा जाता है ।  
(प्रसाद, पंत, निराला)

(क) सही जोड़े मिलाइये :

- | अ   | ब                                |
|---|----------------------------------|
| (1) "छायावाद काव्य का अस्पष्ट स्वरूप तथा कल्पनामय रूप है" – | (1) महादेवी ।                    |
| (2) "दृढ़भाव अपना विपद में भी भूलते बुधवर नहीं ।"           | (2) कुकुरमुत्ता ।                |
| (3) "यह तलवार लो –<br>ले लो यह थाती है" –                   | (3) दिनकर ।                      |
| (4) "डाल पर इतराता है<br>केपीटलिस्ट" –                      | (4) 'शेरसिंह का शस्त्र समर्पण' । |
| (5) "पंथ रहने दो अपरिचित<br>प्राण रहने दो अकेला" –          | (5) मुकुटधर पांडेय ।             |
|   | (6) कृष्ण ।                      |